कम्प्यूटर आधारित शिक्षा

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग

झारखण्ड सरकार

डॉ. नीरा यादव
माननीय मंत्री
स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग,
झारखण्ड सरकार, राँची

संदेश

मुझे हर्ष है कि स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों में तकनीकी शिक्षा के प्रति रूझान विकसीत करने के उद्देश्य से कम्प्यूटर आधारित शिक्षा जैसे– स्मार्ट क्लास एवं अन्य कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई है।

कम्प्यूटर आधारित शिक्षा के द्वारा बच्चों में अध्ययन के प्रति रूझान बढ़ा है तथा उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है। इसके माध्यम से बच्चे अपने गांव तथा क्षेत्र की सीमा से बाहर निकलकर अपनी सोच को एक नयी उड़ान देने में सफल हो पा रहे हैं।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आने वाले समय में ये बच्चे अपने जीवन में नई ऊँचाइयों को छूने में सफल होंगे।

शुभकामनाओं सहित !

(डॉ. नीरा यादव)

झारखण्ड सरकार

आराधना पटनायक (भा.प्र.से.)
सचिव
स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग,
झारखण्ड, राँची

संदेश

बच्चों का विद्यालयों में नामांकन एवं उनका निरंतर ठहराव एक चुनौती है। बच्चों के ठहराव सुनिश्चित करने हेतु यह आवश्यक है कि बच्चे सक्रिय रूप से विद्यालयी कार्यो में संलग्न हों। बच्चों के शिक्षण के साथ–साथ तकनीकी शिक्षा में भागीदारी होने से इसका सकारात्मक प्रभाव बच्चों के कौशल विकास पर पड़ता है।

कम्प्यूटर आधारित शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चों में उनकी रूचि एवं सोच को और अधिक सशक्त रूप में विकसित करना है, जिससे उनके शिक्षा में गुणात्मक सुधार हो तथा उनके पर्यावरण, पारिस्थितिक एवं तकनीकी सोच को विकसीत करने में सहयोग प्रदान कर सके। तकनीकी शिक्षा से बच्चों में आत्मनिर्भरता की भावना को विकसीत करने में हम सफल हो सकते हैं।

हमें विश्वास है कि विद्यालयों में कम्प्यूटर आधारित शिक्षा से बच्चों को अपने जीवन में नई ऊँचाइयों तक पहुँच पाने में सफलता प्राप्त होगी।

मैं इस कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु शिक्षकों, विभागीय पदाधिकारियों एवं बच्चों को हार्दिक बधाई देती हूँ।

शुभकामनाओं सहित !

(आराधना पटनायक)

कम्प्यूटर आधारित शिक्षा

पृष्ठभूमि :–

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सेटेलाइट आधारित शिक्षा कम समय में प्रभावशाली ढंग से शिक्षा के कार्य को संचालित करने का एक सर्वप्रिय माध्यम बन गया है। सेटेलाइट संचार का एक ऐसा माध्यम है जो कम समय में वृहद भौगोलिक क्षेत्र के लोगों को शिक्षा उपलब्ध कराता है। साथ ही यह सूचना संचार तकनीक (Information Communication Technology) का एक महत्वपूर्ण भाग है। झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्, Jharkhand Space Application Centre (JSAC) के सहयोग से विद्यालयों में कम्प्यूटर आधारित शिक्षा तथा प्रखण्ड संसाधन केन्द्र एवं जिला शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान से प्रशिक्षण आदि उपलब्ध कराया जा रहा है।

कम्प्यूटर आधारित शिक्षा का मुख्य उद्देश्य निम्नवत् हैं –

- शिक्षक, साधन सेवियों, परियोजना कर्मियों, प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी आदि को प्रशिक्षण उपलब्ध कराना।
- प्रशिक्षण सीधा प्रसारण (Direct Telecast) या रिकोर्ड की गई सामग्री के द्वारा उपलब्ध कराया जाता है। साथ ही सेटेलाइट आधारित शिक्षण के दौरान दो तरफा वार्ता (Two Way Communication) भी की जाती है। इस तकनीक के द्वारा अलग–अलग विषयों के कठिन बिन्दुओं पर प्रतिभागियों के साथ सीधी चर्चा (Direct Communication) की जाती है।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा निम्न गतिविधियों का क्रियान्वयन जिला/प्रखण्ड/विद्यालय स्तर पर संचालित किए जा रहे हैं :–

1. **ई–शिक्षा** –

Jharkhand Space Application Centre (JSAC) के माध्यम से Satellite Interactive Terminals (SIT) के तहत् राज्य के 11 प्रखण्ड संसाधन केन्द्र, 11 विद्यालय एवं 06 जिला शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान में निम्न उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं :–

- Antenna
- Modem
- KVA UPS

- Computer
- Osprey Card and VGA to PAL Converter Installed in Computer
- Tripod
- Speaker with Amplifier
- Wireless Microphone
- 9V Battery with Charger
- Wooden Cabinet
- Wall mounting of plasma TV
- Antenna Installation

2. **विद्यालयों में आधार आधारित उपस्थिति** (**Aadhaar Enabled Biometric Attendance System (AEBAS) in School**) – विद्यालयों में बालक/बालिकाओं की वास्तविक एवं प्रमाणिक उपस्थिति दर्ज करने का सशक्त माध्यम Aadhaar Enabled Biometric Attendance System (AEBAS) in School है। वर्तमान में झारखण्ड सरकार द्वारा राज्य के दो जिलों यथा – राँची तथा हजारीबाग के चिन्हित विद्यालयों में इसे पायलट के आधार पर प्रारंभ किया जा रहा है। राँची के मध्य विद्यालय, डोरण्डा में इसे प्रारंभ कर दिया गया है। विद्यालयों में आधार आधारित उपस्थिति दर्ज करने के लिए बच्चों का आधार नम्बर का होना आवश्यक है। सरकारी विद्यालयों में आधार आधारित उपस्थिति दर्ज होने के फलस्वरूप बच्चों की उपस्थिति की वास्तविक संख्या प्राप्त करना आसान हो जायेगा जिससे सरकार द्वारा विद्यालयों में बच्चों के लिए उपलब्ध कराए जा रहे विभिन्न सुविधाओं को वास्तविक लाभुकों तक पहुँचाना ज्यादा आसान होगा। इसके अतिरिक्त इस सुविधा में माध्यम से शिक्षकों की वास्तविक उपस्थिति दर्ज की जा सकेगी। साथ ही शिक्षकों एवं बच्चों के विद्यालय आने एवं जाने के सही समय का अनुश्रवण किया जा सकेगा।
3. **स्मार्ट क्लास** (**Smart Class**) – बच्चों के संपूर्ण विकास के उद्देश्य से सरकारी विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की व्यवस्था स्वयं सेवी संस्थाओं, विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे – IAP आदि विभिन्न अद्यौगिक घरानों के सी.एस.आर. गतिविधियों के अन्तर्गत की गई है। इसी उद्देश्य से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय तथा कुछ सरकारी विद्यालयों में आधुनिक तकनीक की Audio Visual सामग्री हिन्दी तथा अँग्रेजी भाषाओं

में उपलब्ध करायी गई है। उक्त तकनीक के द्वारा बच्चे उन विषयों को जिनमें वे रूचि रखते हैं के विषय में स्वअध्ययन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षकों को कठिन बिन्दुओं के संबंध में बच्चों को समझाना आसान होता है तथा बच्चे रूचि लेकर विषय को समझते हैं। इसके अतिरिक्त नई–नई तकनीक जैसे – K-YAN के माध्यम से बच्चों के कौशल विकास में वृद्धि होती है।

4. **सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में वाई–फाई (WiFi) की उपलब्धता –** सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में WiFi की सुविधा उपलब्ध करायी गई है जिसके माध्यम से छात्राएँ एवं शिक्षिकाएँ प्रखण्ड, जिला एवं राज्य से जुड़ गई हैं। विभन्न प्रकार के कार्यक्रम जो राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर से प्रसारित होते हैं उसका लाभ विद्यालय को मिल रहा है। सभी छात्राओं को Internet के माध्यम से नई–नई जानकारियाँ प्राप्त हो रही हैं साथ ही उनका ज्ञान का स्तर काफी बढ़ गया है। अब छात्राएँ विभिन्न प्रकार की राज्य स्तरीय/राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी भाग लेने में सक्षम हुई हैं। इस सुविधा के माध्यम से छात्राओं को प्रोजेक्ट वर्क में काफी सहयोग मिलता है, नई–नई जानकारियों की खोज वे स्वयं करती हैं। इसके माध्यम से एक कस्तूरबा विद्यालय की छात्राएँ दूसरे कस्तूरबा विद्यालय की छात्राओं के साथ संपर्क स्थापित कर एक दूसरे की नवाचारी एवं अच्छे कार्यों की सूचनाएँ अदान–प्रदान कर रही हैं।

5. **झारखंड के स्कूलों की जीआईएस मैपिंग –** विद्यालयों के अनुश्रवण, समस्याओं की पहचान एवं विद्यालय की अवस्था की सही जानकारी के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) का उपयोग किया जा रहा है जिसके माध्यम से विद्यालयों के लिए योजनाओ के निर्माण उसके क्रियान्वयन तथा शोध एवं मूल्यांकन आदि के कार्यों को सरलता पूर्वक किया जा रहा है। इस प्रणाली के मध्यम से विद्यालय में उपलब्ध सुविधाएँ, भौतिक स्थिति का आकलन करते हुए प्रभावी योजनाएँ बनायी जा रही है। इस प्रणाली के साथ–साथ विद्यालयों के पर्यावरण का मूल्यांकन जिसमें ध्वनी प्रदूषण, पानी की गुणवत्ता, वायु प्रदूषण को भी जोड़ा गया है। अब इस प्रणाली के माध्यम से कहीं से भी विद्यालय की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली जा सकती है। बहु आयामी आँकड़ों के एकीकरण हेतु DISE में उपलब्ध सूचनाओं को इसके साथ जोड़ा गया है। जीआईएस मैपिंग के सहयोग से विद्यालयों की सही स्थिति, विद्यालयों तक बच्चों के पहुँच में आ रही मुश्किलों के साथ–साथ विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में भी जानकारी उपलब्ध कराता है। यह कार्यक्रम के क्रियान्वयन, मूल्यांकन तथा अनुसमर्थन में भी सहयोग प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त विद्यालय विकास योजना के निर्माण के क्रम में विद्यालयों में प्राथमिकता के आधार पर योजनाएँ बनायी जाती हैं तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत विद्यालयों को दी जानी वाली सुविधाओं के लिए जीआईएस मैपिंग एक महत्वपूर्ण टूल्स के रूप में काम करता है। जिला एवं राज्य स्तर पर विभिन्न योजनाओं में उपलब्ध निधि के आलोक में विद्यालयों की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाएँ स्वीकृत करने का यह एक मजबूत आधार है जिससे राज्य एवं जिला स्तर पर विभिन्न विभागों के साथ अभिसरण करने में सुविधा होती है।

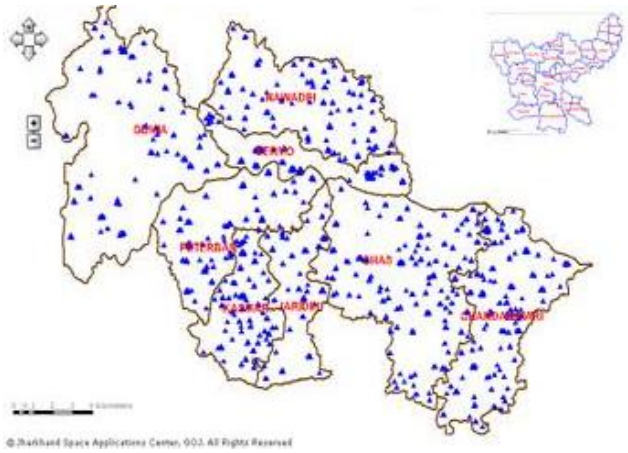

फोटो गैलेरी –